एम. ए. पाठ्यक्रम

(वर्ष 2023-24)

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

Syllabus & Scheme

Semester - I & II

School of Art, Humanites & Social Science

Done

V BOS

GYANVEER UNIVERSITY, SAGAR (M.P.)

Scheme of Examination M.A. (Hindi Sahitya) I Semester

School of Art, Humanities & Social Science (Academic Session 2023-24)

Subject wise distribution of marks and corresponding credits

S. No.	PaperType	Subject	Subject Code	Paper Name	Maximum Marks Allotted									Total Marks	Contact Periods Per week			Total Credits
					Theory Slot				Practical Slot									
					End Term Exam	Internal Assesment Class test (Descriptive & Objective)/Assignment/Seminar			Internal Assesment			External Assesment			L	T	P	
					FINAL EXAM	Internal Assesment I	Internal Assesment II	Internal Assesment III	Class Interaction	Attendance	Practical/ Presentation/Lab Record	Viva Voce	Lab Work					
1	Core Course	M.A. (Hindi Sahitya)	MAHNL211T	हिन्दी उपन्यास	60	20	20	20	–	–	–	–	–	100	6	0	0	6
2	Core Course		MAHNL212T	हिन्दी कहानी	60	20	20	20	–	–	–	–	–	100	6	0	0	6
3	Core Course		MAHNL213T	अन्य गद्य रूप	60	20	20	20	–	–	–	–	–	100	6	0	0	6
4	Core Course		MAHNL214T	भारतीय गद्य साहित्य	60	20	20	20	–	–	–	–	–	100	6	0	0	6
5	Elective		MAHNL215T(A)	प्रेमचन्द	60	20	20	20	–	–	–	–	–	100	4	0	0	4

Total of Credit is 6+6+6+6+4 = 28

Note*: Allotment of Marks for Internal Assesment for theory portion is Best of Two / either of two and addition of them.

एम.ए. (प्रोग्राम) हिन्दी

MAHNL211T - हिन्दी उपन्यास

Semester - I

उद्देश्य : उपन्यास, हिन्दी गद्य साहित्य की प्रमुख विधा है। इसके माध्यम से समाज की वास्तवीक समस्याओं से परिचित हो जाता है, क्योंकि वह समाज में रहता है। कहा भी गया है कि साहित्य समाज का दर्पण है और साहित्य मनुष्य जीवन की यथार्थ हकीकत है। उपन्यासों के माध्यम से विद्यार्थी के अंदर संवेदना, सहानुभूति कासमुचित विकास होता ळें।

(व्याख्यान -12)

इकाई-1 प्रेमचंद पूर्व हिन्दी उपन्यास, प्रेमचन्दोत्तर हिन्दी उपन्यास, स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी ठउपन्यास (परिचयात्मक मूल्यांकन)

(व्याख्यान -12)

इकाई-2 गोदान - प्रेमचंद

(व्याख्यान -12)

इकाई-3 शेखर एक जीवनी, भाग-1 - अज्ञेय

(व्याख्यान -12)

इकाई-4 मैला आँचल - फणीश्वरनाथ रेणु

(व्याख्यान -12)

इकाई-5 कलिकथा वाया बाईपास - अलका सरावगी

पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियाँ

इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्ण समापन के पश्चात् विद्यार्थीगण उपन्यास के तत्व, स्वरूप और विकास के बारे में जान पायेंगें, वे प्रेमचंद, अज्ञेय, फणीश्वरनाथ रेणू, अल्का सरावगी के उपन्यास लेखन विद्या से परिचित हो सकेंगे और समालोचनात्मक अध्ययन एवं बोध से संपृक्त हो सकेंगे।

आधार ग्रंथ-

- गोदान-प्रेमचद, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- शेखर एक जीवन-अज्ञेय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- मैला आंचल-फणीश्वरनाथ रेणु, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- कलिकथा वाया बाइपास - अलका सरावगी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- हिन्दी उपन्यास का इतिहास : गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली,
- आज का हिन्दी उपन्यास इतिहास : इंद्रनाथ मदान
- हिन्दी उपन्यास का विकास : मधुरेश, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- हिन्दी उपन्यास : एक अन्तर्यात्रा : रामदरश मिश्र, राजकमल, प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रेमचंद और उनका युग : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रेमचंदः एक साहित्य विवेचन : नंददुलारे वाजपेयी, लिपि प्रकाशन, दिल्ली
- मैला आँचल की रचना-प्रक्रिया : देवेश ठाकुर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

सहायक ग्रंथ–

- उपन्यास का सिद्धान्त : जॉर्ज लुकाच
- उपन्यास : स्वरूप और संवेदना : राजेन्द्र यादव,
- उपन्यास की समकालीनता : ज्योतिष जोशी, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
- उपन्यास का यथार्थ और रचनात्मक भाषा : परमानंद श्रीवास्तव, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- यथार्थवाद : शिव कुमार मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- आलोचना की सामाजिकता : मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका : मैनेजर पाण्डेय, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़

एम.ए. (प्रोग्राम) हिन्दी

MAHNL212T - हिन्दी कहानी

Semester – I

उद्देश्य : कहानी विधा के माध्यम से विद्यार्थी के जीवन पर बहुत प्रभाव पड़ा है। क्योंकि कहानी की एकल समस्या को उद्घाटित हुई व्यक्ति को प्रभावित करती है। कहानी में व्यक्ति के दुःख-सुख, पीड़ा, वेदना की त्रासदी होती है, जिसको विद्यार्थी पढ़कर अपने मनोमस्तिक में संवेदनात्मक अनुभूति अनुभव करते हैं और वैसे ही समाज में संवदेनात्मक व्यवहार भी करते हैं।

(व्याख्यान -12)

इकाई-1 बंग महिला-दुलाईवाली, चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी'-उसने कहा था,
किशोरी लाल गोस्वामी -इंदुमती

(व्याख्यान -12)

इकाई-2 प्रेमचंद-कफन, जयशंकर प्रसाद-गुंडा,
जैनेन्द्र कुमार-तत्सत, अमरकान्त - डिप्टीकलक्टरी

(व्याख्यान -12)

इकाई-3 शैलेश मटियानी-प्रेतमुक्ति, निर्मल वर्मा-परिन्दे,
कमलेश्वर-राजा निरबंसिया

(व्याख्यान -12)

इकाई-4 हरिशंकर परसाई-इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर,
शेखर जोशी-बदबू, ज्ञानरंजन - पिता

(व्याख्यान -12)

इकाई-5 काशीनाथ सिंह- अपना रास्ता लो बाबा
उदयप्रकाश - अंतिरिक्ष, मोहनदास नैमिशराय -दर्द

पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियाँ

इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्ण समापन के पश्चात् विद्यार्थीगण कहानी के तत्व, स्वरूप और विकास, प्रेमचंद, जैनेन्द्र कुमार, शैलेन्द्र मरियानी, हरिशंकर परसाई, शेखर जोशी, काशीनाथ सिंह, उदयप्रकाश के साहित्यिक विधा से संपृक्त हो सकेंगे।

आधार ग्रंथ-

- एक दुनिया समानांतर : राजेन्द्र यादव, राधाकृश्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण १९९३
- प्रतिनिधि कहानियाँ- चन्द्रधर शर्मा गुलेरी, प्रेमचन्द, जयशंकर प्रसाद।
- प्रतिनिधि कहानियाँ- जैनेन्द्र कुमार, अज्ञेय, शैलेष मटियानी।
- प्रतिनिधि कहानियाँ- निर्मल वर्मा, कमलेश्वर, हरिशंकर परसाई।
- प्रतिनिधि कहानियाँ- ज्ञानरंजन, शेखर जोशी, काशीनाथ सिंह।

सहायक ग्रंथ-

- हिन्दी कहानी : एक अंतरंग पहचान : रामदरश मिश्र, नेशनल पब्लिकेशन हाउस, नई दिल्ली।
- हिन्दी कहानी का इतिहास भाग-१, २ गोपालराय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

- नई कहानी : पुनर्विचार : मधुरेश
- नई कहानी : प्रकृति और पाठ : सुरेन्द्र चौधरी
- नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति : देवीशंकर अवस्थी
- नई कहानी की भूमिका : कमलेश्वर, अक्षर प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण १९६९
- कहानी : नई कहानी : नामवर सिंह, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद, संस्करण २००६
- प्रेमचंद : चिंतन और कला : सं. इंद्रनाथ मदान

एम.ए. (प्रोग्राम) हिन्दी

MAHNL213T - अन्य गद्य रूप

Semester – I

उद्देश्य : अन्य गद्य–रूप विधा के माध्यम से विद्यार्थी के जीवन पर बहुत प्रभाव पड़ा है। निबन्ध, आत्मकथा, जीवनी, संस्मरण, रिपोतार्ज, यात्रा–वृतांत, रेखाचित्र व्यक्ति और समाज की समस्याओं को उद्घाटित करती हुई लोक का प्रभावित करती है। इसमें लेखक की अनुभूति, दुःख–सुख, पीड़ा, वेदना की त्रासदी होती है, जिसको विद्यार्थी पढ़कर अपने मनोमस्तिक में संवेदनात्मक भाव प्रकट करता है।

इकाई–1 निबन्ध : (व्याख्यान –12)

महावीर प्रसाद द्विवेदी– कवि और कविता

रामचंद्र शुक्ल –लोकमंगल की साधनावस्था, हजारी प्रसाद द्विवेद्वी–कुटज,

विद्यानिवास मिश्र–तमाल के झरोखे से

(व्याख्यान –12)

इकाई–2 आत्मकथा :

प्रभा खेतान–अन्या से अनन्या तक

ओमप्रकाश वाल्मीकि– त्रासदी के बीच बनते रिश्ते, (जूठन–भाग 2)

(व्याख्यान –12)

इकाई– 3 जीवनी :

कलम का सिपाही –अमृतराय (प्रारभिक अंश)

(व्याख्यान –12)

इकाई– 4 संस्मरण एंव रिपोतार्ज :

महादेवी वर्मा –लछमा, फणीश्वरनाथ रेणु–मानुष बने रहो,

कांति कुमार जैन बैकुण्ठपुर में बचपन

यतीन्द्र मिश्र–नौबतखाने मे ं इबादत (आंरभिक भाग)

(व्याख्यान –12)

इकाई–5 यात्रा वृतांत एवं रेखाचित्र :

राहुल सांकृत्यायन–मेरी तिब्बत यात्रा, काशीनाथ सिंह–दंतकथाओ ं में त्रिलोचन,

निर्मल वर्मा–चीड़ों पर चाँदनी, रामवृक्ष बेनीपुरी–रजिया

पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियाँ

इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात् विद्यार्थीगण निम्नलिखित बोध से संपृक्त हो संकेंगे।

- विद्यार्थी निबन्ध, आत्मकथा, जीवनी, संस्मरण, रिपोतार्ज यात्रा – वृतांत, रेखाचित्र से संबंधित ज्ञान प्राप्त कर लेंगें।
- विशिष्ट लेखकों की लेखन शैली से परिचित हो सकेंगे एवं संवेदनात्मक भाव प्रकट कर सकेंगे।

आधार ग्रंथ–

- चिन्तामणि भाग–1, आचार्य रामचन्द्रशुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- कुटज, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- अपनी खबर–पांडेय बेचन शर्मा उग्र, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
- अन्या से अनन्या तक–प्रभा खेतान, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
- जूठन भाग–2, ओमप्रकाश वाल्मीकि, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
- गालिब छूटी शराब–रवीन्द्र कालिया, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
- चीड़ों पर चाँदनी–निर्मली वर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

सहायक ग्रंथ–

- हिन्दी का गद्य साहित्य–रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
- निर्मल वर्मा : सं. अशोक वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
- निर्मल वर्मा और उत्तर उपनिवेशवाद : सुधीश पचौरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
- चिंतामणि (भाग 1 व 2) : रामचंद्र शुक्ल, इंडियन प्रेस लि., प्रयाग।

एम.ए. (प्रोग्राम) हिन्दी

MAHNL214T - भारतीय गद्य साहित्य

Semester – I

उद्देश्य : इस प्रश्नपत्र के माध्यम से विद्यार्थी भारतीय जन जीवन की सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक, धार्मिक, सांस्कृतिक गतिविधियों से अच्छी तरह से परिचित होता है, जिसमें विभिन्न भाषा के अनुदित साहित्य को पढ़कर विभिन्न प्रान्तों की समस्याओं से रु-ब-रु होते हुए संवेदनात्मक अनुभूति करता है।

(व्याख्यान -12)

इकाई-1 भारतीय साहित्य का स्वरूप एवं हिन्दी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति।

(व्याख्यान -12)

इकाई-2 भारतीय साहित्य के इतिहास की संकल्पना एवं समस्याएँ।

(व्याख्यान -12)

इकाई-3 **उपन्यास** – गोरा : रवीन्द्रनाथ टैगोर (बंगला)

(व्याख्यान -12)

इकाई-4 **उपन्यास** – माटी मटाल : गोपीनाथ मंहती (उड़िया)

(व्याख्यान -12)

इकाई-5 **नाटक** – हयवदन : गिरीश कार्नाड (कन्नड़)

पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियाँ

इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात् विद्यार्थीगण भारतीय जन जीवन की सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक, धार्मिक, सांस्कृतिक गतिविधियों के बोध से संपृक्त हो संकेंगे।

आधार ग्रंथ-

- मृत्युजंय-वीरेन्द्र कुंमार भट्टाचार्य, ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली।
- संस्कार-यू.आर. अनन्तमूर्ति, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
- सखाराम बाइन्डर- विजय तेन्दुलकर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- भारतीय साहित्य का सांस्कृतिक पक्ष – रोहिताश्व

सहायक ग्रंथ-

- मराठी साहित्य : परिदृश्य- चन्द्रकांत वांदिवडेकर
- कन्नड़ साहित्य का इतिहास- श्री सुशील, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली।
- मलयालम साहित्य का इतिहास- के. भास्करन नायर, प्रकाशन शाखा सूचना विभाग (यू0पी0)

- भारतीय उपन्यास साहित्य की भूमिका – आर.सी. सर्राजु
- तेलगू वाड्.मय : विविध विधाएँ– बालशौरि रेड्डी
- तमिल साहित्य : एक झाँकी – रामशेषन

एम.ए. (प्रोग्राम) हिन्दी

MAHNL215T - प्रेमचन्द

Semester – I इलेक्टिव कोर्स (ऐच्छिक)

उद्देश्य : प्रस्तुत प्रश्नपत्र के माध्यम से हिन्दी उपन्यास की विकास यात्रा को समझते हुए प्रेमचन्द के निर्मला उपन्यास एवं कहानी पंचपरमेश्वर, सवाशेर गेहूँ आदि के महत्व को विद्यार्थी जान सकेंगे। प्रेमचन्द की जीवनी कलम का सिपाही के माध्यम से प्रेमचन्द के जीवन संघर्ष से प्रेरणा लेकर विद्यार्थी अपने जीवन उद्देश्य के प्रति सचेत हो सकेंगे। इसके अलावा निबन्ध, कहानी, राष्ट्रभाषा हिन्दी और उसकी समस्याएं आदि के अध्ययन से विद्यार्थियों में भाषा और राष्ट्र के महत्व को समझ सकेंगे।

(व्याख्यान -12)

इकाई–1 निर्मला (उपन्यास)

(व्याख्यान -12)

इकाई–2 कहानियाँ –पंचपरमेश्वर, सवा सेर गेहूं, शतरंज के खिलाड़ी, सद्गति, कफन।

(व्याख्यान -12)

इकाई–3 कलम का सिपाही (जीवनी)– अमृतराय

(व्याख्यान -12)

इकाई–4 निबन्ध–साहित्य का उद्देश्य, जीवन मे ं साहित्य का स्थान, कहानी कला–1, 2, 3, साहित्य में समालोचना, राष्ट्रभाषा हिन्दी और उसकी समस्याएं।

(व्याख्यान -12)

इकाई–5 चिट्ठी पत्री – संपादक : कमल किशोर गोयनका

पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियाँ

इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात् विद्यार्थीगण निम्नलिखित हिन्दी उपन्यास की विकास यात्रा को समझते हुए प्रेमचन्द के निर्मला उपन्यास एवं कहानी पंचपरमेश्वर, सवाशेर गेहूँ आदि के महत्व एवं बोध से संपृक्त हो संकेंगे।

आधार ग्रंथ–

- निर्मला –प्रेमचन्द, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
- प्रतिनिधि कहानियां–संपादक : भीष्मसाहनी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- साहित्य का उद्देश्य – प्रेमचन्द।
- चिट्ठी पत्री – संपादक : कमल किशोर गोयनका, राजकमल प्रकाशन, नईदिल्ली।

सहायक ग्रंथ–

- प्रेमचन्द साहित्यिक विवेचन – नंददुलारे वाजपेयी।
- प्रेमचन्द और युग – रामविलास शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
- प्रेमचन्द एक विवेचन : इन्द्रनाथ मदान।
- प्रेमचन्द – संपादक : गंगाप्रसाद विमल